• प्रचार...

नड्डा आठ मई को बिलासपुर में

बिलासपुर : बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा आठ मई को एक दिवसीय दौरे के दौरान गृह जिला बिलासपुर में जिलास्तरीय पन्ना प्रमुख सम्मेलन में शामिल होंगे। साथ ही उन्हें पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करेंगे। वह जिला में बीजेपी की स्थिति और कार्यकर्ताओं की कार्यप्रणाली भी परखेंगे। लोकसभा चुनाव और प्रदेश की छह विधानसभा सीटों के उपचुनाव की घोषणा के बाद नड्डा पहली बार हिमाचल आ रहे हैं।

सम्मेलन में वह गृह जिला में बीजेपी प्रत्याशी अनुराग ठाकुर की स्थिति का आकलन करेंगे। इसके साथ ही चुनाव में ग्रामीणस्तर पर भाजपा कहां ठहर रही है, इसको लेकर भी पन्ना प्रमुखों से चर्चा करेंगे व जीत का मंत्र भी देंगे। पूर्व में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के तहत बिलासपुर के चारों मंडलों में पन्ना प्रमुख सम्मेलन का कार्यक्रम तैयार किया गया था।

आठ व नौ मई को चारों मंडलों के सम्मेलन होने थे लेकिन अब चारों मंडलों के पन्ना प्रमुखों का सम्मेलन एक ही दिन एक ही जगह पर होगा। सम्मेलन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर समेत प्रदेश के अन्य नेता भी शामिल होंगे।

चुनावी बेला में बिलासपुर सदर में भाजपा नेताओं में खींचतान है। इसमें मुख्य रूप से पूर्व विधायक सुभाष ठाकुर समेत पार्टी के कई पूर्व पदाधिकारियों को नजरअंदाज करने एवं प्रमुखता न देने का हवाला देकर विरोध के स्वर उठ रहे हैं। ऐसे में नड्डा गृह विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी की अंतर्कलह को समाप्त करने का भी प्रयास करेंगे।

सीमाओं का निरीक्षण

शिमला : डीसी अनुपम कश्यप और एसपी शिमला संजीव कुमार गांधी ने आज जिला को अन्य राज्यों एवं जिला से जोड़ती सीमाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अंतरराजीय पुलिस चेक पोस्ट कुड्डू, फेडिज पुल एवं हिमाचल-उत्तराखंड सीमा पोस्ट बैरियर का निरीक्षण किया। उन्होंने निगरानी दल एवं अन्य टीमों को अवैध शराब, नकदी एवं अन्य सामग्री के परिवहन को रोकने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे टीमों को 24 घंटे तैनात रहते हुए मुस्तैदी से कार्य करने के निर्देश दिए। एसपी ने अन्य राज्यों से आने-जाने वाले वाहनों की कड़ाई से जांच करने को कहा। साथ ही संदिग्ध वाहनों की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

• संपादकीय...

विश्व रेड क्रॉस दिवस

हम रेड प्लस का निशान देखकर उसे हेल्थ का साइन मानते रहे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह निशान स्वास्थ्य विभाग का नहीं बल्कि रेड क्रॉस सोसाइटी का है। जो सालों से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का काम करती है। विश्व रेड क्रॉस दिवस हर साल 8 मई को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट आंदोलन के सिद्धांतों को याद करने के लिए मनाया जाता है। वर्ल्ड रेड क्रॉस डे का मुख्य उद्देश्य असहाय और घायल सैनिकों और नागरिकों की रक्षा करना है। ये दिवस 8 मई को हेनरी डुनेंट की जयंती पर मनाया जाता है, जो रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति के संस्थापक थे। इस दिन लोग इस मानवतावादी संगठन और उसकी ओर से मानवता की सहायता के लिए अभूतपूर्व योगदान के लिए श्रद्धांजलि देने के लिए याद करते हैं। हेनरी ड्यूनेन्ट को मानवतावादी और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में याद किया जाता है। इस काम को करने के लिए उन्हें साल 1901 में दुनिया का पहला नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। इस पुरस्कार को उन्हें साल 1863 में इंटरनेशनल कमेटी ऑफ द रेड क्रॉस की स्थापना के लिए दिया गया था। रेड क्रॉस एक इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन है। इसका हेडक्वाटर स्विटजरलैंड के जिनेवा में स्थित है। इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेड क्रास और कई नेशनल सोसाइटी मिलकर इस संस्था का संचालन करती है।

■ **अनल पत्रवाल**
संपादक, हिमाचल अभी अभी

महंगी गाड़ी में तस्करी

जवाली : आचार संहिता के बीच शराब का धंधा जोरों से चल रहा है, लेकिन जिला पुलिस नूरपुर भी माफिया पर नजर टिकाए बैठी है। जिला पुलिस नुरपुर ने पठानकोट-मुकेरियां मार्ग पर हिलटॉप मंदिर के समीप फॉर्च्यूनर गाड़ी से 45 पेटी अवैध शराब पकड़ी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर हिलटॉप मंदिर के समीप नाका लगा रखा था कि फॉर्च्यूनर गाड़ी को रोककर तलाशी ली तो 45 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जिस पर पुलिस ने सन्नी पुरी पुत्र सतीश पूरी व गौरव पुत्र रवि कुमार निवासी पठानकोट के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है तथा आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। एसपी नूरपुर अशोक रतन ने बताया कि पुलिस ने सन्नी पुरी पुत्र सतीश पूरी व गौरव पुत्र रवि कुमार निवासी पठानकोट से गाड़ी में 45 पेटी अबैध शराब पकड़ कर केस दर्ज कर लिया है।

माहवार 1500 करोड़ से अधिक वेतन-पेंशन खर्च-हिमाचल प्रदेश में कर्मचारियों के वेतन और पेंशनर्स की पेंशन पर महीने में खर्च का आंकड़ा 1500 करोड़ रुपए से अधिक का है।

हिमाचल सरकार पर नए वेतन आयोग के एरियर के भुगतान का भी बोझ है। इसके अलावा डीए की किस्त भी बकाया है। ये बोझ दस हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। अभी आलम ये है कि रूटीन का खर्च चलाने के लिए भी लोन लेना पड़ रहा है...

सरकार फिर लेगी 700 करोड़ का लोन

● संजू/शिमला

गंभीर वित्तीय संकट में फंसे हिमाचल को अपनी आर्थिक गाड़ी खींचने के लिए कर्ज का सहारा लेना पड़ता है। हाल ही में केंद्र सरकार की तरफ से हिमाचल को मार्च से दिसंबर 2024 के बीच की अवधि के लिए 6200 करोड़ रुपए की लोन लिमिट सैंक्शन हुई है। इस तरह हिमाचल सरकार दिसंबर 2024 तक 6200 करोड़ का कर्ज ले सकेगी। इसी लिमिट में से अब राज्य सरकार 700 करोड़ रुपए का लोन लेने जा रही है। इसके लिए प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अप्रैल महीने में भी राज्य सरकार ने एक हजार करोड़ रुपए का लोन लिया था। इस तरह दो महीने में ही हिमाचल सरकार 1700 करोड़ रुपए का लोन ले चुकी होगी। जिस रफ्तार से राज्य सरकार को रूटीन खर्च चलाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है, उससे ये स्पष्ट दिख रहा है कि इस साल के अंत तक राज्य पर लोन का बोझ एक लाख करोड़ रुपए तक हो जाएगा।

माहवार 1500 करोड़ से अधिक वेतन-पेंशन खर्च-हिमाचल प्रदेश में कर्मचारियों के वेतन और पेंशनर्स की पेंशन पर महीने में खर्च का आंकड़ा 1500 करोड़ रुपए से अधिक का है। हिमाचल सरकार पर नए वेतन आयोग के एरियर के भुगतान का भी बोझ है। इसके अलावा डीए की किस्त भी बकाया है। ये बोझ दस हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। अभी आलम ये है कि रूटीन का खर्च चलाने के लिए भी लोन लेना पड़ रहा है। राज्य के पास खुद के आर्थिक संसाधन बहुत कम हैं। इस समय देश भर के साथ हिमाचल में भी आदर्श आचार संहिता लागू है. इसी आचार संहिता के बीच राज्य सरकार को रूटीन खर्च के लिए कर्ज का लेना पड़ रहा है। ट्रेजरी बैलेंस बनाने के लिए कर्ज की ये रकम सहायक होगी।

वित्त वर्ष शुरू होते ही लोन लेना शुरू- हिमाचल सरकार का वित्त वर्ष पहली अप्रैल से शुरू हुआ है। वित्त वर्ष की शुरुआत में ही 1000 करोड़ रुपए का लोन लिया गया था। जो तीन अप्रैल को खाते में आया था। अब 700 करोड़ का नया लोन लिया जा रहा है। इस तरह पहले दो महीनों में 1700 करोड़ का लोन हो गया है। हिमाचल पर अब कर्ज का बोझ 90 हजार करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया है। गंभीर बात ये है कि राज्य सरकार को अनुबंध नीति के तहत नियुक्त कर्मचारियों को सारे वित्तीय लाभ देने पड़ रहे हैं। इस बारे में हिमाचल हाईकोर्ट से एक के बाद एक फैसले आ रहे हैं। उन फैसलों में अदालत ने राज्य सरकार को अनुबंध सेवाकाल को नियमित सेवाकाल में जोड़ने के लिए आदेश दिए हैं।

नए वित्त आयोग पर टिकी उम्मीद की नजरें- हिमाचल सरकार को 15वें वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार मिलने वाला राजस्व घाटा अनुदान यानी रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट भी निरंतर कम हो रही है। अब हिमाचल प्रदेश की सारी आशाएं नए वित्त आयोग पर टिकी हैं। नया वित्त आयोग यानी 16वां फाइनेंस कमीशन इसी साल हिमाचल का दौरा करेगा। राज्य सरकार को उम्मीद है कि नया वित्त आयोग पहाड़ी राज्य की कठिन परिस्थितियों को समझते हुए उदार आर्थिक सहायता की सिफारिश करेगा। साथ ही उम्मीद है कि नए वित्त आयोग में हिमाचल सरकार का राजस्व घाटा अनुदान बढ़ाने की सिफारिश हो सके. इसके लिए वित्त विभाग ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

संदिग्ध हालत में शव मिला

ऊना : थाना हरोली के तहत भदौड़ी में एक घर से संदिग्ध हालत में व्यक्ति का शव मिला है। मृतक

की पहचान रविंद राणा पुत्र अच्छर सिंह निवासी गांव भदोड़ी के रूप हुई है। घर से आ रही बदबू के पास ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर टांडा मेडिकल कॉलेज पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक शराब पीने का आदि था। जानकारी के मुताबिक कुछ ग्रामीण भदोड़ी गांव के वार्ड-5 के मोहल्ला से गुजर रहे थे तभी उन्हें एक घर से बदबू आनी शुरू हुई, तो उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचित किया। थाना प्रभारी सुनील सांख्यान के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो पाया कि रविंद्र राणा मृत अवस्था में जमीन पर गिरा हुआ था और शरीर से बदबू आ रही थी। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन चंडीगढ़ से गांव पहुंचे।

• तैनाती...

ड्रग्स-साइबर क्राइम मुख्य चुनौती- डीजीपी अतुल वर्मा

शिमला : 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी डा. अतुल वर्मा को हिमाचल प्रदेश का पुलिस प्रमुख बनाया गया है। डीजीपी बनने के बाद शिमला पुलिस मुख्यालय में उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया है। डा. अतुल वर्मा ने बताया कि नई जिम्मेदारी उनके लिए अवसर और चुनौती दोनों हैं। हिमाचल प्रदेश पुलिस का काम अच्छा है और देश भर में अच्छा आंका भी जाता है। डीजीपी ने बताया कि प्रदेश में बढ़ते नशे के कारोबार की मांग और आपूर्ति पर नकेल कसना उनकी प्राथमिकता है। बीते दिनों हिमाचल प्रदेश में हुई अपराधिक घटनाओं को लेकर उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश महिलाओं के लिए एक सुरक्षित जगह है। हिमाचल में लड़कियां आज भी पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर करती हैं और अपने स्कूल-कालेज तक अकेले जाती हैं। यह व्यवस्था कई राज्यों में नहीं है। स्कूल कालेज तक छोडने भी जाना पड़ता है। हमें इस तरह के लॉ एंड ऑर्डर पर गर्व होना चाहिए और इसे प्रोटेक्ट करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हाल ही में जो कुछ अपराध हुए हैं, वह इक्का दुक्का घटनाएं हैं, जिनसे सख्ती से निपटा जाएगा, ताकि हिमाचल में लॉ एंड ऑर्डर सभी के लिए सुरक्षित रहे। डा. अतुल वर्मा ने कहा कि नशे का बढ़ता चलन एक समस्या है और इस बारे में आम लोगों से भी सहयोग की जरूरत है।

• *भालू ने किया हमला...*

शिमला : शिमला जिले में व्यक्ति पर भालू द्वारा हमला करने का मामला सामने आया है। घटना ननखड़ी पंचायत स्थित टपरोग गांव की है। हमले में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल इन्द्र सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद आईजीएमसी शिमला के लिए रेफर कर दिया गया है। उपप्रधान टेक चंद राजटा ने बताया कि यह मामला गुरुवार सुबह लगभग साढ़े सात बजे का है। जब इन्द्र सिंह अपने मित्र चलेंजी लाल टपरोग के साथ अपने घर की ओर से आ रहे थे। जैसे ही भालू ने इन्द्र सिंह पर हमला किया, चलेंजी लाल डर से भाग गए।